पाठ 2
बुद्धि का फल

आइए सीखें - • समस्याओं का सूझबूझ से निराकरण। • उत्पत्ति के आधार पर शब्दों के भेद से परिचय। • शब्दों की शुद्ध वर्तनी • पर्यायवाची शब्द • मुहावरे • वाक्यांश के लिए एक शब्द • वाक्य रचना

किंवदन्ती के अनुसार बीरबल, अकबर के दरबार में महत्वपूर्ण मंत्री था। बीरबल अत्यन्त चतुर व बुद्धिमान था उसके बुद्धिमानी के किस्से दादा, नाना, नानी से आपने बहुत सुने होगें। उसी का एक प्रसंग यहाँ दिया गया है।

एक रोज की बात है कि बादशाह अकबर के दरबार में लंका के राजा का एक दूत पहुँचा। उसने बादशाह अकबर से एक नई तरह की माँग करते हुए कहा-"आलमपनाह! आपके दरबार में एक से बढ़कर एक बुद्धिमान, होशियार तथा बहादुर दरबारी मौजूद हैं। हमारे महाराज ने आपके पास मुझे एक घड़ा भरकर बुद्धि लाने के लिए भेजा है। हमारे महाराज को आप पर पूरा भरोसा है कि आप उसका बन्दोबस्त किसी-न-किसी तरह और जल्दी ही कर देंगे।"

यह सुनकर बादशाह अकबर चकरा गए।

उन्होंने अपने मन में सोचा-"क्या बेतुकी माँग की है, भला घड़े भर बुद्धि का बन्दोबस्त कैसे किया जा सकता है? लगता है। लंका का राजा हमारा मजाक बनाना चाहता है, कहीं वह इसमें सफल हो गया तो......?"

तभी बादशाह को बीरबल का ध्यान आया, वे सोचने लगे कि शायद यह कार्य बीरबल के वश का भी न हो, मगर फिर भी उसे बताने में बुराई ही क्या है?

जब बीरबल को बादशाह के बुलवाने का कारण ज्ञात हुआ तो वह मुस्कराते हुए कहने लगे-"आलमपनाह। चिन्ता की कोई बात नहीं, बुद्धि की व्यवस्था हो जाएगी, लेकिन इसमें कुछ हफ्ते का वक्त लग सकता है।"

शिक्षण संकेत- • कहानी का हाव-भाव के साथ वाचन करें। • बच्चों से भी इसी प्रकार हाव-भाव सहित वाचन कराएँ। • कहानी को कक्षा में बच्चों द्वारा संवाद बोलकर अभिनीत कराएँ। • दूसरी भाषा से लिए गए (आगत) शब्दों के अर्थ स्पष्ट करें। • शब्दों की सही वर्तनी का अभ्यास शुद्ध वाचन व लेखन द्वारा कराएँ। • पाठ में आये मुहावरों के अर्थ स्पष्ट कर उनका वाक्यों में प्रयोग कराएँ।

बादशाह अकबर बीरबल की इस बात पर कहते भी तो क्या, बीरबल को मुँह माँगा समय दे दिया गया।

बीरबल ने उसी दिन शाम को अपने एक खास नौकर को आदेश दिया-''छोटे मुँह वाले कुछ मिट्टी के घड़ों की व्यवस्था करो।''

नौकर ने फौरन बीरबल की आज्ञा का पालन किया।

घड़े आते ही बीरबल अपने नौकर को लेकर कद्दू की एक बेल के पास गए। उन्होंने नौकर से एक घड़ा ले लिया, बीरबल ने घड़े को एक कद्दू के फूल पर उल्टा लटका दिया, इसके बाद उन्होंने सेवक को आदेश दिया कि बाकी सारे घड़ों को भी इसी तरह कद्दू के फूलों पर उल्टा रख दें।

बीरबल ने इस काम के बाद सेवक को उन घड़ों की देखभाल सावधानी पूर्वक करते रहने का हुक्म दिया और खुद वहाँ से चले गए।

बादशाह अकबर ने कुछ दिन बाद इसके बारे में पूछा, तो बीरबल ने तुरन्त उत्तर दिया- ''आलमपनाह! इस कार्य को हो चुका समझें, बस दो सप्ताह का समय और चाहिए, उसके बाद पूरा घड़ा बुद्धि से लबालब भर जाएगा।''

बीरबल ने पन्द्रह दिन के बाद घड़ों के स्थान पर जाकर देखा कि कद्दू के फल घड़े जितने बड़े हो गए हैं, उन्होंने नौकर की प्रशंसा करते हुए कहा-''तुमने अपनी जिम्मेदारी बड़ी कुशलतापूर्वक निभाई है, इसके लिए हम तुम्हें इनाम देंगे।''

इसके बाद बीरबल ने लंका के दूत को बादशाह अकबर के दरबार में बुलाया और उसे बताया कि बुद्धि का घड़ा लगभग तैयार है।

लंका के दूत के आने पर बीरबल ने फौरन ताली बजाई, ताली की आवाज सुनते ही बीरबल का सेवक एक बड़ी थाली में घड़ा लिए हुए बड़ी शान से दरबार में हाजिर हुआ।

बीरबल ने घड़ा उठाया और उसे लंका के दूत के हाथ में सौंपते हुए कहा-''लीजिए श्रीमान आप इसे अपने महाराज को भेंट कर दीजिए, लेकिन एक बात अवश्य ध्यान रखिएगा कि खाली होने पर हमारा यह कीमती बर्तन हमें जैसे-का-तैसा वापस मिल जाना चाहिए। इसमें रखा बुद्धि का फल भी तभी प्रभावशाली साबित होगा, जब इस बर्तन को कोई नुकसान न पहुँचे।''

इस पर दूत ने बीरबल से पूछा-''हुजूर! क्या मैं इस बुद्धि के फल को देख सकता हूँ।''

''हाँ....हाँ....जरूर।'' बीरबल ने अपनी गर्दन हिलाते हुए कहा-''और हाँ, अगर आपके राजा को कुछ और बुद्धि की आवश्यकता पड़े तो ऐसे पाँच घड़े हमारे पास और तैयार रखे हैं।''

परेशान होते हुए दूत ने मन-ही-मन सोचा-''हमारी भी मति मारी गई है। भला हमें भी क्या सूझी, बीरबल का कोई जवाब नहीं है....भला ऐसी बात मैंने सोची भी कैसे?''

घड़ा लेकर दूत के जाते ही बादशाह अकबर भी अपनी उत्सुकता को न दबा सके। वे फौरन बोल उठे-''बीरबल! बुद्धि का फल हमें भी तो दिखाओ, अभी-अभी तुम कह रहे थे कि ऐसे पाँच घड़े और भी रखे हैं?''

''अभी मँगाए देता हूँ आलमपनाह!'' बीरबल ने उत्तर दिया।

बादशाह के कहते ही घड़ा मँगवा दिया गया, जैसे ही उन्होंने घड़े में झाँका तो उन्होंने पूरा का पूरा घड़ा कद्दू से भरा पाया। देखते ही बादशाह को हँसी आ गई। वे बीरबल की पीठ ठोकते हुए कहने लगे-''मान गए भई! तुमने भी बुद्धि का क्या शानदार फल पेश किया है, लगता है इसे पाकर लंका के राजा के बुद्धिमान होने में तनिक भी देर नहीं लगेगी।''

बोध प्रश्न-

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ पुस्तक में दिए शब्दकोश से खोजकर लिखिए-

दूत -	....	हुक्म-	....	बंदोबस्त-	....
भेंट कर देना-	....	चकरा जाना-	....	उत्सुकता -	....

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) लंका के राजा का दूत अकबर के पास क्या लाने के लिए पहुँचा?

(ख) अकबर बादशाह ने बीरबल को किस कार्य के लिए बुलाया?

(ग) बीरबल ने बुद्धि का घड़ा कैसे तैयार किया?

(घ) बादशाह अकबर को क्या उत्सुकता हुई?

(ङ) यदि बीरबल के स्थान पर आप होते तो क्या करते सोचिए और लिखिए?

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) लंका के दूत के आने पर बीरबल ने फौरन............बजाई। (ताली/ डुगडुगी)

(ख) इसमें रखा गया बुद्धि का फल भी तभी प्रभावी साबित होगा जब इस बर्तन को कोई ....न पहुँचे। (हानि/लाभ)

(ग) जब बादशाह अकबर ने घड़े में झाँका तो पूरा का पूरा घड़ा ....भरा पाया।

(कद्दू के फल से/अमरूद के फल से)

(घ) इसे पाकर लंका के राजा को बुद्धिमान होने में ....भी देर नहीं लगेगी। (तनिक/अधिक)

भाषा अध्ययन

1. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर, वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

पीठ ठोकना, मतिमारी जाना, मुँह माँगा, चकरा जाना, आँखें बिछाना, नौ दो ग्यारह होना।

2. निम्नलिखित शब्दों में से सही शब्द पर गोला लगाइए-

(क) उतसुकता, उतसूकता, उत्सुकता, उत्सूकता।

(ख) बुधिमान, बुद्धिमान, बुद्धीमान, बूद्धिमान।

(ग) वादशाह, बादशाह, वादसाह, वादशहा।

(घ) प्रभावशाली, परभावशाली, प्रभाभशाली, पर्भावषाली।

(ङ) आर्शीवाद, आर्शिवाद, आषीरवाद, आशीर्वाद।

3. **स्तम्भ 'अ' में वाक्यांश तथा स्तम्भ 'ब' में वाक्यांश के लिए एक शब्द दिया है। इनकी सही जोड़ियाँ बनाइए-**

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
जिसका अधिक प्रभाव हो	सेवक
जिसके पास बुद्धि है	पुजारी
सेवा करने वाला	वाचाल
पूजा करने वाला	प्रभावशाली
जो बहुत अधिक बोलता है	बुद्धिमान

4. **शब्दों को उचित क्रम में रखकर सार्थक वाक्य बनाइए-**

(अ) राजा का एक दूत दरबार में लंका के में पहुँचा अकबर के।

(आ) बादशाह चकरा अकबर गए सुनकर दूत की बात।

(इ) व्यवस्था की नौकर ने मिट्टी के घड़ों की।

(ई) तुमने अपनी निभाई है कुशलता पूर्वक बड़ी जिम्मेदारी।

यह भी जानिए:-

विदेशी या आगत शब्द- विदेशी लोगों के संपर्क में आने से विदेशी भाषा के जो शब्द हिन्दी में आ गए हैं, वे विदेशी या आगत शब्द कहलाते हैं। जैसे-

अंग्रेजी-मेम्बर, डायरी, मोटर, पेन्सिल, चॉक, ड्रामा आदि।

फारसी-जादू, जमाना, फौज, दुकान, जमींदार आदि।

अरबी-वकील, कलम, किताब, आदमी, औरत आदि।

तुर्की-कैंची, बहादुर, लाश, तोप, बीबी आदि।

फ्रांसीसी-इंजीनियर, पुलिस, इंजन, कार्टून, बिगुल आदि।

5. **निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप छाँटकर लिखिए-**

घड़ा, काम, मुँह,

सूरज, आग, दिन, साँप, नथ।

6. पाठ में आए इन शब्दों को पढ़िए और चौखाने में दिए शब्दों में से इनके हिन्दी शब्द खोजकर लिखिए-

बन्दोबस्त	खास	हुक्म
बादशाह	मौजूद	हाजिर
मजाक	भरोसा	इनाम
कीमती	अक्ल	नुकसान
खुद	जिम्मेदारी	हुजूर
जवाब	पेश	शानदार

> उपस्थित, प्रबन्ध, महाराज, प्रस्तुत, स्वयं, विशेष, विद्यमान, विश्वास, उत्तरदायित्व, आदेश, पुरस्कार, मूल्यवान, हानि, श्रीमान, भव्य, उपहास, उत्तर, बुद्धि

7. नीचे बनी वर्ग पहली से निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द छाँटिए-

आकाश, कमल, घर, पानी, दिन, फूल।

न	ज	ल	ज	सु
ग	भ	र	वा	म
ग	नी	भ	र	न
न	दि	व	स	ष्प
स	द	न	पु	क

योग्यता विस्तार

1. इसी प्रकार की बुद्धिमत्ता से संबंधित कोई अन्य कहानी अपनी कक्षा में सुनाइए।
2. बीरबल की चतुराई से सम्बन्धित अन्य प्रसंग बालसभा में सुनाइए।
3. कक्षा में 'बीरबल के चुटकुले' अपने शिक्षक से सुनिए और स्वयं भी सुनाइए।